



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... गोनक संग्रह

दिनांक ६. ३. २०२१ पृष्ठ संख्या ७ कॉलम ७-८

एवण्यू हर जिले में विकसित करे मॉडल  
कृषि विज्ञान केंद्र : डा. ए.के. सिंह



भ्रमण करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक डा. ए.के. सिंह, कलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

- आईसीएआर के उप महानिदेशक ने वैज्ञानिकों से साझा किए विचार

हिसार, 5 मार्च (सुनेद्र सोडी) :  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि  
विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का  
अपने आप में एक अनुता  
विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती  
को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र  
स्थापित किया गया है। इसलिए  
विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि  
विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में  
विकसित करना चाहिए। ये विचार  
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप  
महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डा.  
ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे  
विश्वविद्यालय के पहिले दीन दयाल  
उपाध्याय सैटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म  
के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के  
वैज्ञानिकों से रुबरु हो रहे थे। उन्होंने  
कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती  
को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र  
सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही  
हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के  
वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के  
माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा  
देने के लिए किसानों को जागरूक  
करें। इस अवसर पर कुलपति वे  
ओएसडी डा. एम.एस. सिंहद्वयरिया

**150 एकड़ में फैला है कार्म**  
विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर  
समर सिंह ने बताया कि वह केंद्र  
करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है  
और इसमें बागवानी, सब्जियाँ के  
साथ-साथ अन्य फसलों को भी  
जैविक रूप से तैयार किया जाता है।  
पांडित दीन दशल उपाध्याय सैरूर  
फरंग और्गेनिक पार्म प्रदेश के  
किसानों को और्गेनिक फल और  
सब्जियाँ को आनन्द के प्रति प्रेरित  
करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

**ऑर्गेनिक कृषि से  
किसान करें आय में  
इजाफा।**

केंद्र के निदेशक डा. अनिल कुमार ने बताया कि आर्गेंटिन के विष से किसान उत्पादन में बढ़िया वायर में बढ़ावती कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ावा जा सकता है।

अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डा. आशा क्रांति, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्रांतीक संस्कृति

दिनांक .6.3.2021...पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5-7.....

### 'हर जिले में विकसित हो मॉडल कृषि विज्ञान केंद्रः डॉ. सिंह'

हिसार, 5 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय उत्तर भारत का अपने आप में एक अनूठा विश्वविद्यालय है, जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यक्त किए।

वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के अग्रणी के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रुबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से



पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह व अन्य।

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें।

साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें, ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके। इस अवसर पर कुलपति के

ओ.एस.डी. डॉ. एम.एस. सिंहुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डॉ. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा कवात्री, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... अभिभावता .....

दिनांक .६.३.२०२१....पृष्ठ संख्या..... ६ .....कॉलम...।.....

कार्यक्रम

आईसीएआर के उप महानिदेशक डॉ. एके सिंह ने वैज्ञानिकों से साझा किए विचार

## एचएयू हर जिले में विकसित करे केंद्र

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में अनूठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया है।

विश्वविद्यालय को सभी जिलों में कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मांडल के रूप में विकसित करना चाहिए। यह बात भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप

महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के पहिले दीन दयाल रहे थे। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ.



फार्म का भ्रमण करते डॉ. एके सिंह, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य। अभिभावता

150 एकड़ में फैला है फार्म

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है। इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पहिले दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उआने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। केंद्र निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में बढ़िद्ध व आय में बढ़ातारी कर सकते हैं।

एसके सहावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एके छाबड़ा और स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा कवात्रा आदि मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	06.03.2021	--	--

### एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ. एके सिंह

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुग्रहीत विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी

आईसीएआर के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने वैज्ञानिकों से साझा किए विचार

चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने लिए। वे विश्वविद्यालय के पैडिंट दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक कार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से स्वचर हो रहे थे।

उन्होंने कहा कि भौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए गब्ज च केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जगारूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके।

कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में बनाया जाना चाहिए।



पैडिंट दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक कार्म का भ्रमण करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह, कुलपति प्रोफेसर

सम्म सिंह व अन्य।

150 एकड़ में फैला है कार्म, किसानों को थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार दिया जाता है परामर्श: प्रोफेसर सम्म के फलों, सन्धियों व अनाजों को बिना सिंहियनिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सामानिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सन्धियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में बढ़ि व अप में बढ़ातीरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। किसान जैविक खेत और जैविक इलेक्ट्रिसिटेट का उपयोग करके एक बेहतर फसल ले सकते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता और खेत में सूक्ष्म जाव और चनस्पतियों को खेती के प्रति प्रेरित करने से ही प्रोत्साहित करने में भी सहायक होते हैं व इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई।

पैडिंट दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक कार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सन्धियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल, किसानों का ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई।

मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज़	05.03.2021	--	--

हिसार/अन्य

पांच बजे 3

आईसीएआर के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने वैज्ञानिकों से साझा किए विचार

### एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ. सिंह

पांच बजे ब्लॉग

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुरूप विश्वविद्यालय है जहाँ जीविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मौजूद करने के रूप में विकसित करना चाहिए। वे विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के द्वारा महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पैठांड द्वारा द्याते उपाध्याय सेवर पर्याप्त अधिकारी फार्म के खण्ड के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से छवरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जीविक खेती को बढ़ावा देने के लिए गोपनीय केंद्र सेवक भी भवस्तुता प्रदान कर रहे हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जीविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। सब्य ही कृषि विज्ञान केंद्र पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं



विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने बताया कि वह केंद्र करेंगे।

जानकारी मुझे करवाई जा सके।

150 एकड़ में पैकड़ है फार्म, किसानों को दिया जाता है परामर्श-प्रोफेसर समर्पित।

दरअसल, किसानों को अधिकारी खेती के दृष्टिकोण से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान

में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सफेदीयों व अन्यों को बिना समानिक पूदानी का प्रयोग किए खेती की जा रही है। केंद्र के निदेशक डॉ. ए.के. सिंह ने बताया कि अधिकारी कृषि से विस्तार उत्पादन में हुआ है और इसमें विभिन्न व्यापारों का सकार है। इसमें व्यापारी, सहकारी के सम्बन्ध अन्य फलसंतों को भी जीविक रूप से तैयार किया जाता है।

पर्यावरण के उन्नतान नहीं होते और खेत में सूक्ष्म जीव और वनस्पतियों को प्रोत्साहित करने में भी सहायता होती है व मिहु की सरकार में सुधार होता है।

ये तो मौजूद इस अधिकारी के अधीन संस्कारण निर्दिष्ट है, अनुसंधान निदेशक डॉ. ए.के. सहकारी, कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. ए.के. छावड़ा, स्नातकोत्तर अधिकारी डॉ. आशा आता, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार टूडे	05.03.2021	--	--

## एवेएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्रः डॉ. ए.के. सिंह

टुडे न्यूज | हिसार



आईसीएआर के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने वैज्ञानिकों से साझा किए विचार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रुबरु हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। किसान जैविक खाद और जैविक इंसेक्टिसाइट का उपयोग करके एक बेहतर फसल ले सकते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता और खेत में सूक्ष्म जीव और वनस्पतियों को प्रोत्साहित करने में भी सहायक होते हैं व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. ए.म.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा बवात्रा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	05.03.2021	--	--

### एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्रः डॉ. सिंह

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुता विश्वविद्यालय है जहाँ जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। कुलपति समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	05.03.2021	--	--

# हरियाणा कृषि विवि हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्रः डॉ. ए.के. सिंह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुवा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रुबरु हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ



हिसार। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के अधिकृता डॉ. ए.के. अबड़ा, छातकोत्तर अधिकृता डॉ. आशा कुमारा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी भौजूद रहे।

**150 एकड़ में फैला है फार्म, किसानों को दिया जाता है परामर्श प्रोफेसर समर सिंह**

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसने बगवानी, सजियों के साथ-साथ अन्य फसलों का भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रटेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सजियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एथएयू ने विभिन्न प्रकार के फलों, सजियों व अनाजों को बिना स्पार्टिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	05.03.2021	--	--

= समस्त हरियाणा =

शुक्रवार, 5 मार्च, 2021

# एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ. ए.के. सिंह

आईसीएआर के उप  
महानिदेशक  
(विस्तार शिक्षा)  
डॉ. ए.के. सिंह ने  
वैज्ञानिकों से सांझा  
किए विचार

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुता विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार को जानकारी मुहैया करवाई जा सके।

केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि आर्मीनिक कृषि से किसान उत्पादन में बुद्धि व आय में बढ़ोतारी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। किसान जैविक खाद और जैविक इंसेक्टसाइट का उपयोग करके एक बेहतर फसल ले सकते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता और खेत में सूक्ष्म जीव और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से वनस्पतियों को प्रोत्साहित करने में रुबरू हो रहे थे।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में संरचना में सुधार होता है।



**150 एकड़ में फैला है फार्म, किसानों को दिया जाता है परामर्श : प्रो. समर सिंह**

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र की बी 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सज्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पैंडिल दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर आर्मीनिक फार्म प्रदेश के किसानों को आर्मीनिक फल और सज्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल, किसानों को आर्मीनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सज्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही है।

**ये रहे मौजूद**

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा इस अवसर पर कुलपति के काना, सहित विश्वविद्यालय के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, निदेशक, विभिन्न विभागों के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छाबड़ा, मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	06.03.2021	--	--

### एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्रः डॉ.एके सिंह

**पल पल न्यूजः** हिसार, 5 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुवा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से



विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र कीरीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष

2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही है। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतारी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। किसान जैविक खाद और जैविक इंसेक्टिसाइट का उपयोग करके एक बेहतर फसल ले सकते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता और खेत में सूक्ष्म जीव और वनस्पतियों को प्रोत्साहित करने में भी सहायता होते हैं व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा केसरी न्यूज	06.03.2021	--	--

### एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्रः डॉ. सिंह

सिरसा केसरी | न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार ऊर भारत का अपने आप में एक अनुवा विश्वविद्यालय है जहाँ जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पहिले दीन दवाल उपायाध्य सेवर फॉर अर्मेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रुबरु हो रहे थे। उन्होंने कहा कि भौजूदा समय में जैविक



खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रबल कर रही है। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विसानों को जागरूक

करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि विसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मौजूदा करवाई जा सके।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि

कुलपति वैज्ञानिक कृषि से विसान उत्पादन में बढ़ि व आय में बढ़ोतारी कर सकते हैं। इससे मिली के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ावा जा सकता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिरसा टूडे	05.03.2021	--	--

### एचएयूएच ज़िले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र: डॉ. ए.के. सिंह

हिसार | सिरसा टूडे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुत्तर विश्वविद्यालय है जहाँ जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्याप्त किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रुबरु हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को



बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके।

**150 एकड़ में फैला है फार्म, किसानों को दिया जाता है**

**परामर्श:** ग्रो. समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के माध्यम से जैविक खेती को

साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दृअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही हैं। केंद्र के

निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि ऑर्गेनिक कृषि से किसान उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोत्तरी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। किसान जैविक खाद और जैविक इसेक्टसाइट का उपयोग करके एक बेहतर फसल ले सकते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता और खेत में सूक्ष्म जीव और बनस्पतियों को प्रोत्साहित करने में भी सहायक होते हैं व मिट्टी की संरचना में सुधार होता है।

इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. ए.स.के. सहरावत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. आबड़, स्नातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्वात्रा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	05.03.2021	--	--

### जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें : डॉ. सिंह

हिसार/05 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुठा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय के पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म के भ्रमण के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों

से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अपने कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करें। साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल करें ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहैया करवाई जा सके। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सब्जियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सब्जियों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। दरअसल, किसानों को ऑर्गेनिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में एचएयू में विभिन्न प्रकार के फलों, सब्जियों व अनाजों को बिना रसायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	05.03.2021	--	--

### एग्रेण्ट हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ. ए.के. सिंह



**मंगली :** पहिले दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म का भ्रमण करते भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

**माली :** 5 मार्च (देवानंद) : चौधरी के उप महानिदेशक(विस्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय हिसार उत्तर भारत का अपने आप में एक अनुदा विश्वविद्यालय है जहां जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को आपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

150 एकड़ में फैला है फार्म, किसानों को दिया जाता है परामर्श : प्रोफेसर समर सिंह

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि यह केंद्र करीब 150 एकड़ में फैला हुआ है और इसमें बागवानी, सभियों के साथ-साथ अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पहिला दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर ऑर्गेनिक फार्म प्रदेश के किसानों को ऑर्गेनिक फल और सभियों को आने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

#### ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कुलपति के ओहसड़ी डॉ. एम.एम. सिद्धपुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहायत, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. ए.के. छबड़ा, स्थातकोत्तर अधिष्ठाता डॉ. आशा क्रात्रा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	05.03.2021	--	--

### एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र-डॉ. ए.के. सिंह



पाठकपक्ष न्यूज़

हिसार, 5 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

हिसार उत्तर भारत का अपने आप में

एक अनुया विश्वविद्यालय है जहाँ जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए

उच्छृंखले केंद्र स्थापित किया गया है। इसलिए विश्वविद्यालय को अपने सभी कृषि विज्ञान केंद्रों को भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। ये विचार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के उप महानिदेशक(वित्तार शिक्षा) डॉ. ए.के. सिंह ने व्यत किए। वे विश्वविद्यालय के पर्यावरण दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर अग्रणीक फार्म प्रोसेस के किसानों को अग्रणीक फल और सजिज्यों को उगाने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि अग्रणीक कृषि से किसान उत्पादन में बढ़ि व आय में बढ़ोतरी कर सकते हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	05.03.2021	Online	--

एचएयू हर जिले में विकसित करे मॉडल कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ. एके सिंह

SHARE



आईसीएआर के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने वैज्ञानिकों से साझा किए विचार

हिसार,

हिसार का हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय उत्तर भारत का अपने आप में एक अनु॒वानिक विश्वविद्यालय है जहाँ जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए उल्कृष्ट केंद्र स्थापित किया गया है।

इसलिए विश्वविद्यालय को अनेक सभी कृषि विज्ञान केंद्रों की भी मॉडल के रूप में विकसित करना चाहिए। यह बात भारतीय कृषि अनुशंसन परिषद के उप महानिदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. एके सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय के पौर्णत दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर अर्थगिक फार्म के भूमाल के बाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से रुक़रू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए राज्य व केंद्र सरकार भी भरसक प्रयत्न कर रही हैं। इसलिए विज्ञान केंद्रों पर कार्यरत वैज्ञानिक भी स्वयं व्यवहारिक रूप से विश्वविद्यालय के इस जैविक खेती केंद्र में प्रशिक्षण हासिल कर ताकि किसानों को आसानी से हर प्रकार की जानकारी मुहूर्या करवाई जा सके।

150 एकड़ी में फेला है फार्म, किसानों को दिया जाता है परम्परा: प्रो. समर रिंग

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर रिंग ने बताया कि यह केंद्र क्लीब 150 एकड़ी में फेला हुआ है औं इसमें बागवानी, सजियों के साध-साध अन्य फसलों को भी जैविक रूप से तैयार किया जाता है। पौष्टि दीन दयाल उपाध्याय सेंटर फॉर अर्थगिक फार्म प्रदेश के किसानों को अर्थगिक फल और सजियों को उत्तराने के प्रति प्रेरित करने में अहम भूमिका निभा रहा। दरअसल, किसानों को अर्थगिक खेती के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से ही इस केंद्र की स्थापना वर्ष 2017 में की गई थी। वर्तमान में यहाँ में विभिन्न प्रकार के फल, सजियों व अनाजों को बिना स्वायनिक पदार्थों का प्रयोग किए खेती की जा रही है। केंद्र के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि अर्थगिक कृषि से किसान उत्पादन में वृद्धि व आय में बढ़ोतारी कर सकते हैं। इससे मिट्टी के जैविक गुण और उपजाऊपन को बढ़ाया जा सकता है। किसान जैविक खाद और जैविक इंसेक्टोइड का उपयोग करके एक बेहतर फसल तैयार करते हैं। इससे पर्यावरण को नुकसान नहीं होता और खेत में सूक्ष्म जीव और बनसपत्तियों को प्रोत्साहित करने में भी बहुतायक होते हैं व मिट्टी की संरक्षण में सुधार होता है।

ये रहे गौचर

इस अवसर पर कूलपति के ओएसडी डॉ. एमएस सिद्धुरिया, अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहायत, कृषि महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. एके छाबड़ा, स्नातकोत्तर अधिकारी डॉ. अशा कात्रा, सहित विश्वविद्यालय के निदेशक, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक, प्रशासनिक अधिकारी व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....  
५११८८४

दिनांक ६.३.२०२१ पृष्ठ संख्या ३ कॉलम ४-५

### वर्चुअल कृषि मेले में किसानों को मिलेगी हर जानकारी

जगरण संवाददाता, हिसार :  
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि  
विश्वविद्यालय की ओर से आगामी  
9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला  
(खरीफ) आयोजित किया जाएगा।  
गत वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को  
आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी)  
की तरह ही इस मेले के सफल  
आयोजन के लिए विश्वविद्यालय  
के विज्ञानी व कर्मचारी फारम क्षेत्र व  
अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो  
विलेप तैयार करवा रहे हैं। उनका  
मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से  
हर वो जानकारी किसानों को मुहैया  
करवाना है।

#### इस वेबसाइट पर लें जानकारी

विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस  
हुड्डा ने बताया कि इस मेले के  
सफल आयोजन के लिए विभिन्न  
समितियों का भी गठन किया गया  
है, जों किसानों के साथ संवाद व  
प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर  
गतिविधि पर नजर रखेंगे। उन्होंने  
बताया कि वर्चुअल कृषि मेले में भाग  
लेने के लिए कोई भी व्यक्ति डब्ल्यू  
डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट एचएस्यू कृषि मेला  
डॉट काम वेबसाइट लिंक के माध्यम  
बैठे मिल सके।

वेबसाइट पर अपलोड की जा  
रही हैं वीडियो विलेपिंग  
मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक  
(विस्तार शिक्षा) डा. कृष्ण यादव  
ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की  
तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इसके  
लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व  
उन्नत किसी आदि को लेकर वीडियो  
विलेपिंग बनाकर वेबसाइट पर अपलोड  
की जा रही हैं ताकि किसानों को  
ऑनलाइन माध्यम से हर प्रकार की  
जानकारी मिल सके। इन वीडियो को  
देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित  
कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के  
उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से  
कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी ले सकता  
है। मेले के दिन 9 मार्च को साय 4 से  
5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी  
सत्र रखा गया है।

से स्वयं को पंजीकृत कर सकता है।  
विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी  
को अवसर में बदलते हुए इस बार  
वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने  
का फैसला लिया है। किसानों को  
वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर  
बैठे मिल सके।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....कृषि भवन, अभूतपुर  
दिनांक ..6....3....2021...पृष्ठ संख्या....2., 5.....कॉलम..5., 1.....

### एचएयू का वर्चुअल कृषि मेला 9 और 10 मार्च को

हिसार | एचएयू 9 और 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित करेगा। एचएयू के वैज्ञानिक और कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्यूमेंटी व वीडियो विलप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वह जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले में भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति वेबसाइट लिंक से स्वयं को पंजीकृत कर सकता है।

### हकृवि का वर्चुअल कृषि मेला 9 व 10 को

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला आयोजित किया जाएगा। मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में वृत्तिगत व वीडियो विलप तैयार करवा रहे हैं। जिसका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है। व्यूरो



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	06.03.2021	--	--

# वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डाक्युमेंट्री और वेबिनार से किसानों को मिलेगी हर जानकारी

एचआर ब्रेकिंग न्यूज



विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड़ा

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी) की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म सेंटर व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो विलापन करवा रहे हैं। उनका भक्ति वर्ष मेले में वर्चुअल माध्यम से हर जो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिल्मिक रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही है।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड़ा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ सांवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर परिवर्ती पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले में भाग लेने के लिए काई व्यक्ति औनलाइन घर बैठे रहिए।

दब्ल्यू डब्ल्यूडब्ल्ट एचएयू कृषि मेला डॉट काम वेबसाइट लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत कर सकता है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिल्मिक रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट को

को जा रही है ताकि किसानों को ऑनलाइन माध्यम से हर प्रकार की जानकारी प्राप्त सकें। इन विडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी ले सकता है।

फसल विधिकरण होगा मेले का शीघ्र, कई विभिन्न पर होगे वैश्वारिक विद्यालय के सह-निदेशक (किसान परापर्श केंद्र) डॉ. सूरील डॉडा ने बताया कि मेले का मुख्य धार्म 'फसल विधिकरण' होगा। इसी प्रकार खरीद कर्ताओं के साथ ऑनलाइन तकनीक, किसानों के साथ ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी, कृषि में नवाचार, डेंगरी व्यवसाय में बीमारियों से रोकथाम एवं डलाज का महत्व, डेंगरी व्यवसाय में संतुलित आहार का महत्व सहित अनेक विषयों पर वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे।

मेले के दिन 9 मार्च को सांध्य 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रश्नोत्तरी सत्र रखा गया है। इस दौरान किसान अपनी किसानी भी प्रकार की समस्या को लेकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सवाल-जवाब कर जानकारी ले सकते हैं। फेसबुक व यू-ट्यूब से भी जुड़ सकते हैं। जो किसानों की सहायता के लिए मेले का दोरान हर समय ऑनलाइन रहेंगे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	<b>06.03.2021</b>	--	--

### एचएयु का वर्षुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को

हिसार (सच कहूं न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्षुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित वर्षुअल कृषि मेला (रबी) की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंटी व विडियो विलाप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्षुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को महिया करवाना है जो फिजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी दिल्ली	06.03.2021	--	--

### ► संक्षिप्त समाचार

#### वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डाक्युमेंट्री और वेबिनार से किसानों को मिलेगी हर जानकारी

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी)

: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि

विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा।

गत वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी)की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए



विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो विलप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे।

उन्होंने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले में भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति एवं एयू.कृषि मेला वेबसाइट लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत कर सकता है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के चलते प्रतिवर्ष की तरह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस संकट की घड़ी को अवसर में बदलते हुए इस बार वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानियों का सामना न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन घर बैठे मिल सके।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	05.03.2021	--	--

### एचएयु का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 से

हिसार/05 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। मेले के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंटी व विडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि इस मेले के आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। मेला अधिकारी एवं सह निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उन्नत किस्मों आदि को लेकर वीडियो क्लिपिंग बनाकर वैबसाइट पर अपलोड की जा रही हैं ताकि किसानों को ऑनलाइन माध्यम से हर प्रकार की जानकारी मिल सके। इन विडियो को देखने के बाद किसान की इनसे संबंधित कोई भी जिजासा है तो वह वैबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी ले सकता है। विस्तार शिक्षा निदेशालय के सह निदेशक (किसान परामर्श केंद्र) डॉ. सुनील ढांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल विविधिकरण' होगा। इसी प्रकार खरीफ फसलों की उत्पादन तकनीक, किसानों के साथ ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी, कृषि में नवाचार, डेयरी व्यवसाय में बीमारियों से रोकथाम एवं इलाज का महत्व, डेयरी व्यवसाय में संतुलित आहार का महत्व सहित अनेक विषयों पर वेबिनार भी आयोजित किए जाएंगे। वर्चुअल कृषि मेले का आनंद किसान विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज व यू-ट्यूब चैनल से जुड़कर भी ले सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाईन रूप से ही ई-कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई जाएंगी जिसमें किसान विश्वविद्यालय के अलावा अन्य क्षेत्रों की आधुनिकतम जानकारी हासिल कर सकेंगे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	05.03.2021	--	--

### संक्षिप्त समाचार

#### हकूमि का वर्चुअल कृषि मेला 9 व 10 मार्च को

हिसार ( समस्त हरियाणा न्यूज )। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला ( खरीफ ) आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(रबी)की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो किलप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज़	05.03.2021	--	--

### वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डाक्युमेंट्री और वेबिनार से किसानों को मिलेगी हर जानकारी

एचएयू का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को

पांच बजे बजा



हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। यह वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(खरीफ) की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के वैदिक व कर्मचारी

फार्म शेफ व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो विलय तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल मायाम से हर दो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो विजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती ही है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस. हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ सवाद व प्रश्नापत्री के अलावा मेले को हर गतिविधि पर निरूपित करेंगे। उन्होंने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले में भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति 'डाक्युमेंट्री एचएयू' कृषि मेला डाक्टर वेबसाइट लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत कर सकता है। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के चर्चाते प्रतिवर्ष की तह आयोजित किया जाने वाला कृषि मेला फिजिकली रूप से आयोजित किया जाना संभव नहीं था। इसलिए विश्वविद्यालय ने इस सकारात्मकी ओर अवसर में बदलते हुए इस बात वर्चुअल कृषि मेला आयोजित करने का फैसला लिया है ताकि किसानों को किसी प्रकार भी परेशानी का सम्मान न करना पड़े और उन्हें हर प्रकार की कृषि संबंधी वैज्ञानिक जानकारी ऑनलाइन पर बेठे रहने की सकता है।

वेबसाइट पर अलाउड की जा रही है वीडियो किसानिंग। मेला अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियां जारी पर चल रही हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उत्तर किसी आदि को लेकर वीडियो विडियो बनाने का बाद विस्तार की मिल सकती है। इन वीडियो को देखने के बाद विस्तार की इस संबंधित कोई भी जिज्ञासा है तो वह वेबसाइट के उत्तर पेज पर देख गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी ले सकता है।

फसल विविधिकरण होगा मेले का थीम, कई विषयों पर होगे वेबिनार। विस्तार शिक्षा निदेशक द्वारा दिए गए विषयों पर होगे वेबिनार। सह-निदेशक (विस्तार परामर्श केंद्र) डॉ. सुमीत ढांडा ने बताया कि मेले का मुख्य थीम 'फसल विविधिकरण' होगा। इसी प्रवार खरीफ फसलों की उत्पादन तकनीक, किसानों के साथ अन्तर्राष्ट्रीय प्रयोगशीलता, कृषि में नवाचार, डेवरी व्यवसाय में बीमारियों से रोकथाम एवं इलाज का महत्व, डेवरी व्यवसाय में संबंधित आलवा का महत्व सहित अनेक विषयों पर वेबिनार भी आयोजित किया जाएगा। मेले के दिन 9 मार्च को साथ 4 से 5 बजे तक किसानों के लिए प्रयोगशील सभा रखी गयी है। इस दैणग किसान अपनी भी प्रत्यक्ष की समस्या को लेकर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सवाल-उत्तर जबाबद जानकारी ले सकते हैं।

फेसबुक व यू-ट्यूब से भी जुड़ सकेंगे किसान वर्चुअल कृषि मेल का आनंद किसान विश्वविद्यालय के फेसबुक पेज व यू-ट्यूब चैनल से जुड़कर भी ले सकेंगे। इसके अलावा ऑनलाइन रूप से ही ई-कृषि औयोगिक प्रशिक्षणी लगाई जाएंगी। जिसमें किसान विश्वविद्यालय के अलावा अन्य क्षेत्रों की आधुनिकजगत जानकारी लम्बित कर सकेंगे। इन प्रदर्शनियों के लिए बुकिंग जारी है।

कृषि विज्ञान केंद्रों की भी सौंपी गई जिम्मेदारियां मेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इच्छाओं को इसका जिम्मा सौंप रखा है। कृषि विज्ञान केंद्रों के इच्छावालों के साथ सामाजिक दूरी, मास्टर व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखा हुआ केंद्र पर भी वर्चुअल मेल में किसानों को जोड़े। इसके अलावा कृषि व अन्य सोशल मीडिया प्लॉटफॉर्म के माध्यम से अधिक से अधिक किसानों के पास मेल का लिंक भेजकर किसानों को जोड़ा जाएगा। विश्वविद्यालय का मकसद है कि गत वर्ष आयोजित वर्चुअल कृषि मेलों(खरीफ) की तरह इस बात भी अधिकारीक सभ्या में किसान इस मेले में जुड़कर अपनी कृषि संबंधी जिज्ञासाओं को शोत करें। इसके लिए कृषि वैज्ञानिकों के बैनर बना दिए गए हैं, जो किसानों की सहभागता के लिए मेले के दौरान हर समय ऑनलाइन रहेंगे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	05.03.2021	--	--

### वर्चुअल कृषि मेले में ऑनलाइन डाक्युमेंट्री से किसानों को मिलेगी हर जानकारी

#### पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 5 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक व कर्मचारी फार्म क्षेत्र व अन्य विभागों में डाक्युमेंट्री व विडियो क्लिप तैयार करवा रहे हैं। उनका मकसद मेले में वर्चुअल माध्यम से हर वो जानकारी किसानों को मुहैया करवाना है जो फिजिकली रूप से आयोजित मेले में करवाई जाती रही

हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा ने बताया कि इस मेले के सफल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे। उन्होंने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले में भाग लेने के लिए कोई भी व्यक्ति 'डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट एचएयू कृषि मेला डॉट काम' ([www.haukrishimela.com](http://www.haukrishimela.com)) वेबसाइट लिंक के माध्यम से स्वयं को पंजीकृत कर सकता है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	05.03.2021	--	--

### एथेयु का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 को



मंगली : विश्वविद्यालय के विरतार  
शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. दुड़ा।

मंगली, 5 मार्च (देवानंद) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से आगामी 9 व 10 मार्च को वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) आयोजित किया जाएगा। गत वर्ष 13 व 14 अक्टूबर को आयोजित वर्चुअल कृषि मेला(खरीफ) की तरह ही इस मेले के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के सकल आयोजन के लिए विभिन्न समितियों का भी गठन किया गया है, जो किसानों के साथ संवाद व प्रश्नोत्तरी के अलावा मेले की हर गतिविधि पर नजर रखेंगे।

मेले अधिकारी एवं सह-निदेशक (विस्तार शिक्षा) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि वर्चुअल कृषि मेले की तैयारियाँ जोरों पर चल रही हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय की उपलब्धियों व उत्तरात किसी भी विषय पर अपलोड की जा रही हैं ताकि किसानों को ऑनलाइन माध्यम से हर प्रकार की जानकारी मिल सके। इन विडियो को देखने के बाद विस्तार की इससे संबंधित कोई भी जिजासा है तो वह वेबसाइट के उस पेज पर दिए गए लिंक के माध्यम से कृषि वैज्ञानिकों से जानकारी ले सकता है।

मेले में अधिक से अधिक किसानों की भागीदारी के लिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्जों को इसका जिम्मा सौंपा गया है। कृषि विज्ञान केंद्रों के इंचार्ज किसानों के साथ सामाजिक दूरी, यात्रक व सेनेटाइजेशन का ध्यान रखते हुए केंद्र पर भी वर्चुअल मेले में किसानों को जोड़ेंगे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	<b>05.03.2021</b>	<b>Online</b>	--



एचएयु का वर्चुअल कृषि मेला (खरीफ) 9 व 10 मार्च को

हिसार,

यहाँ की श्रीविवादाया की ओर से १० मार्च को दुर्भाग्य की मेला (खरीद) आयोजित किया जाएगा। गत १३ तथा १४ अक्टूबर को अपेक्षित दुर्भाग्य की मेला (खरीद) की तरह ही इस मेले के सफात आयोजन के लिए श्रीविवादाया के पैमाने पर कर्मचारी फार्म ब्रेक अन्य विद्यार्थियों में दाखिलें दी जीति लिपित तरीका से हों। उक्त काम कास्टर में तो दुर्भाग्य मायम्ब में से दूर जो कानूनी किसानों को मुक्तुयों कानानों से

वेस्टबर्ग पर अग्रीतो का ना सालों का एक अनु-दूर्वा प्रकार का। काम वस्त्र वास्तु-नक्का जानकारी जान-कानून धर बढ़ मत सक।

वेस्टबर्ग पर अग्रीतो का ना था वह दीड़ीला लिपियाँ  
में अपीकीरी एवं सह-निश्चिक (विसर शिय) । कृं. कृं. कृं. पादल ने कामा कि दुरुदूर कुपि में को तैयारी लें औ पर चर रही है। इसके लिए अन्तिमतान को तात्परीका उत विनाशों आजे के ताके मीठी लिपियाँ बनाए वेस्टबर्ग पर अग्रीतो की जा रही है ताकि विनाशों को अन्तिमतान से छोड़ प्रकार की जानकारी सुन सके। दूर दृष्टियों के दृष्टें का बाहर किसानों की जीर्ण संस्कृति को भी मीठी जिसारा है तो वेस्टबर्ग के उत्तम पर लिपियाँ लिंग के मायाम से कुपि देखनियों को जानकारी रख सकता है।

**फसल विविधिकरण होगा** भौति का थीम, कई विषयों पर सोचे जानार  
विस्तार यांत्रिक निवेदनों के बहुविकास (किसान परामर्श केंद्र)। सुनीता ठाकरे ने वाचाका की मेंटे का मुख्य थीम 'फसल विविधिकरण होगा'। इसका अधिकारी फसलों की उत्पादन तकनीक, किसान का स्थायी अनुप्रयोग विशेषताएँ, कुशल ने नवाचार, दैरों व्यवस्था की सीमावर्तीयों से रोकथाम एवं उत्पादक व्यवस्था की विभिन्न व्यवस्थाएँ से संबंधित आकर्षणीय पर विवेचन भी आयोजित किया जाएगा। मेंटे की दृष्टि 9 वर्षीय का संघ 4 से 5 लंबे तक दिवाने के लिए प्रतिवर्ती सत्र रखा गया है। इस दौरान किसान अपनी की भौतिकी को तोकर विश्विविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ सवाल-जवाब जारी रखा जाएगा। ले सकते हैं।

**फेसबुक व प्यू-ट्यू से भी चुड़ सको किसान**  
वर्द्धमान कृषि मेले का आंदोलन बिहारिलाल के फेसबुक पेज व प्यू-ट्यू चैनल से जुड़कर भी ले सकते हैं। इसके अलावा ऑनलाइन रूप से ही कृषि जीवनकारी प्रश्नों तक जाएँगे। उन्होंने किसान बिहारिलाल के अलावा अन्य क्षेत्रों की आयुषिकातम जानकारी हासिल कर सकते हैं। इन विवरों की विशेष विवरण जाती है।

कृषि विज्ञान केंद्रों को भी सौंपी गई योगदानरिपोर्ट  
मेरे में अधिक से अधिक नियन्त्रों की भागीदारी के सिए कृषि विज्ञान केंद्रों के इनाहाँ को इसका जिम्मा सौंपा गया है। कृषि विज्ञान केंद्रों के द्वारा किसानों के साथ सामाजिक दूरी, मार्क और बेनेफिल्स काम का ध्यान रखते हुए क्रेंडर पर भी वर्तुल मेरे में किसानों को जोड़े। इसके अलावा लाइसेंस व अन्य सोशल नीटवर्किंग दोस्तावाम के साथ साथ से अधिक से अधिक किसानों के पास मेरो का लिंक भेजकर किसानों को जोड़ा जा रहा है। विज्ञानिकों का महसूस है कि नव वर्च अपीलिंग वर्कशॉप की मेता (वी) की तरह दूसरी भी अधिकारिक संस्कृत में किसानों इस मेरे में जुड़कर अपनी कृषि संबंधी जिजाहान को पांच करें। इसके द्वारा कृषि वैज्ञानिकों के पैमान बढ़ा दिए गए हैं, जो किसानों की सहायता के लिए मेरो के दोस्रा हर समय अनुभवित कर रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब के सरी.....  
दिनांक ..6.....3.....2021...पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....7-8.....

**'कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण आयोजित'**



कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर में प्रशिक्षण के दौरान मौजूद प्रशिक्षणार्थी।

मंडी आदमपुर, 5 मार्च (पंक्ष): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि विज्ञान केंद्र सदलपुर द्वारा बेरोजगार युवक व युवतियों के लिए 5 दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस दौरान 15 गांव के युवक व महिलाओं ने प्रशिक्षण में भाग लिया। केंद्र के कोऑर्डिनेटर डॉ. नरेंद्र कुमार ने मधुमक्खी पालन व्यवसाय बारे जानकारी दी। इस मौके पर अजीत सांगवान, डॉ. सत्यवीर कुंडू व डॉ. निर्मल मौजूद रहे।